RAJYA SABHA

Tuesday, the 25th July, 2006/3 *Sravana,* 1928 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

RE.: SUSPENSION OF QUESTION HOUR

MR. CHAIRMAN: Questions.

SHRI MANOHAR JOSHI (Maharashtra): Mr. Chairman, Sir, I have already made a request to you that today...

श्री सभापति: क्वेश्चन ऑवर तो होने दीजिए। ...(व्यवधान)... क्वेश्चन तो चलने दीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, question is about the Question Hour itself. I am talking about the Question Hour itself. *(Interruptions)*

श्री सभापति: मैंने अलाउ नहीं किया है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, a serious incident has taken place in Maharashtra in Mumbai. I want the House to listen to it. *(Interruptions)* Sir, let me tell you...*(Interruptions)*

श्री सभापति: आप अपने मामले को क्वेश्चन ऑवर के बाद उठा लीजिए। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, no other issue is more important than this.*(Interruptions)*

श्री सभापति: मोर इम्पोर्टेंट उसको दे दिया है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, the bomb blasts in Mumbai have killed more than 200 people, and more than 1000 people have been injured. I don't think any other issue is more important than this. My earnest request to you is this. Let the Question Hour be set aside today, and this issue be taken up.*(Interruptions)*

श्री सभापति: ठीक है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, on this issue, in this very House, I have given a warning. *(Interruptions)* Sir, in this House, a warning was given...*(Interruptions)*

श्री सभापति: एक मिनट, एक मिनट, एक मिनट। आप बैठ जाइये..(व्यवधान)... आपका नोटिस मुझे अभी मिला है। कल बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में यह तय हुआ कि कौन-कौन से मसले लिए जायेंगे। उसमें दोनों मसले थे - बम ब्लास्ट का भी और प्राइस राइज का भी। यह तय हुआ कि आज प्राइस राइज का मसला लिया जाएगा और उसके बाद हम तय कर लेंगे कि कौन से दिन कौन सा मामला लेना है। क्वेश्चन ऑवर तो मैं इसके लिए एडजर्न्ड नहीं करूंगा। ...(व्यवधान)... मैं अलाउ नहीं करूंगा। ..(व्यवधान)... मैं अलाउ नहीं करूंगा। ..(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, this body...*(Interruptions)*. This House is supreme. ...*(Interruptions)*

श्री सभापति: सुप्रीम है तभी तो डिसकस कर रहे हैं। ..(व्यवधान)... आज मिनिस्टर साहब का स्टेटमेंट होने वाला है। ...(व्यवधान)... पहले स्टेटमेंट होगी, फिर मैं अलाउ करूंगा। ...(व्यवधान)... अभी मैं अलाउ नहीं करूंगा। ...(व्यवधान)..., मैं अलाउ नहीं करूंगा। ...(व्यवधान)...

श्री संजय राउत (महाराष्ट्र): सभापति महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नहीं, नहीं, बिल्कुल नहीं। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: It is really painful that some Members don't understand the seriousness of the issue. *(Interruptions)* This is the most serious issue. *(Interruptions)* It is not possible for us to discuss any other issue. *(Interruptions)* Let me warn the House...*(Interruptions)*

श्री संतोष बागड़ोदिया (राजस्थान): आप स्पीकर रह चुके हैं। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: प्लीज आप कम से कम सुन तो लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: ठीक है, आपने मसला उठा दिया। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, Maharashtra has become...*(Interruption*

श्री सभापति: मैंने देख लिया है; मैं अलाउ नहीं कर रहा हूं....(व्यवधान)...

सुश्री मैबल रिबैलो (झारखण्ड): चेयरमैन सर, मेरा क्वेश्चन है ...(व्यवधान)... सर क्वेश्चन पूछना है। ...(व्यवधान)... मुम्बई केवल इनका है क्या? ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: What did the Government and the Home Minister do? *(Interruptions)* What did the Prime Minister do? *(Interruptions)* Sir, the issue was raised in this House...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: आपको कह दिया कि आप क्वेश्चन ऑवर खत्म होने दीजिए। ...(व्यवधान)... एक मिनट 1-आप प्लीज बैठ जाइये। ...(व्यवधान)... प्लीज टेक योर सीट। मैं अलाउ नहीं करूंगा। Nothing will go on record...(व्यवधान)...

श्री संजय राउत:*

सुश्री मैबल रिबैलो:*

श्री सभापति: आप पहले मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)... आज आप अचानक आकर मुझे नोटिस देते है कि क्वेश्चन ऑवर पोस्टपोन करिये। ...(व्यवधान)... ऐसे नहीं होता है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, notice was given. *(Interruptions)* But I am not on a technical point.

श्री सभापति: नोटिस का सवाल नहीं है। यह इम्पॉर्टेंट मैटर है इसमें कोई संदेह नहीं है। ..(व्यवधान)... इसीलिए बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में पहले ही इस पर विचार हुआ है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, the Business Advisory Committee should have thought about this. Today, in India, the most important issue is the bomb explosions in Mumbai. *(Interruptions)*.

श्री सभापति: अब आप बिजनेस एडवाइजरी कमेटी पर चार्ज लगा रहे है, यह मेरी समझ में नहीं आता है कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के बारे में कहते हैं कि उसने सीरियसली नहीं लिया, यह उचित नहीं है। उसने इन दोनों मामलों को प्राइस राइज और मुम्बई बम ब्लास्ट को लिया है। मुम्बई बम ब्लास्ट के बारे में आज स्टेटमेंट हो रहा है। सदन चाहे तो मैं कल इसके ऊपर चर्चा रख सकता हूं। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, I don't think that this is sufficient, *(Interruptions)*

श्री सभापति: आज अपने मसला रेज कर दिया है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: I have respect for the Members of the Business Advisory Committee. *(Interruptions)* But was it not the duty of everybody to take up this issue first? Other issues can be taken up later on. *(Interruptions)*.

---

* Not recorded.

श्री सभापति: वह ठीक है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, I have said that in Mumbai in Maharashtra, RDX ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: क्वेश्चन आवर के बाद। ...(व्यवधान)... वह सब ठीक है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: This is very unfortunate that in this august body there are some ...*(Interruptions)*...Sir, the Life and properity of the people are the most important issue *(Interruptions)*. But, how can that issue be no discussed. *(Interruptions)* Sir, & personalty feel that factory itself the Question Hour schould be set askle and this issue should be taken up. *(Interruptions)*.

श्री सभापति: जोशी जी, अगर आप रेज करना चाहते हैं तो क्वेश्चन ऑवर के बाद में रेज कर दीजिए। मैं अभी एलाउ नहीं करूंगा। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: I want the support of the entire House. I am asking for the support of the entire House. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: इसका मतलब यह हुआ कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी का कोई महत्व नहीं है। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, the Government is responsible for this...*(Interruptions)*... It is the Congress Government which is responsible both in the State as well as in the Centre. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: मैंने एलाउ नहीं किया है। ...(व्यवधान)... आप यहां आगे क्यों आ रहे हैं। ...(व्यवधान)... मामला रेज करना चाहते हैं तो डिबेट आराम से कर लीजिए, आज ही में क्या मुहूर्त है। ...(व्यवधान)... कल की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में आप थे और आप बोले नहीं कि इस मामले को लिया जाए। एक मिनट जोशी जी, सुन लीजिए। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में आप उपस्थित थे और आपने उस समय मामला नहीं उठाया। आप बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में कह सकते थे कि इस मामले को लिया जाए। मैं एलाउ नहीं करूंगा, nothing will go on record...*(Interrutpions)*...किसको शर्म आनी चाहिए, किसको नहीं आनी चाहिए, छोडिए, ...(व्यवधान)... कल क्यों नहीं बोले आप। ...(व्यवधान)...

SHRI MANOHAR JOSHI: Sir, this is not the first time that this has happened. It happened in 1993 also. People died in 1993, people have died now and the Government is not active at all. Let the Maharashtra Government be suspended. Sir, we demand that Maharashtra Government be suspended; the Maharashtra Government has to be dismissed. ...*(Interruptions)*...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, you have given the ruling.

श्री सुषमा स्वराज (मध्य प्रदेश): अभी आपने यह कहा कि बी॰ए॰सी॰ में सह मसला उठाया नहीं। सभापति जी, सामान्यत: बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में क्या घटा उसकी चर्चा यहां नहीं होती। ...(व्यवधान)...

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Sir, are we going to discuss this?

श्रीमती सुषमा स्वराज: लेकिन चूंकि आपने यह कहा कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में आपने यह मसला उठाया नहीं। इसलिए मैं केवल रिकार्ड straight करना चाहती हूं कि कल यह मसला बहुत जोरशोर से बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में उठा था। तय यह हुआ था कि इस सप्ताह में इन दोनों बातों पर चर्चा होगी-प्राइस राइज पर और मुम्बई बम बिस्फोट पर। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा था कि मैं मंत्रियों की सुविधा देखकर आपको बताऊंगा कि कौन सा विषय लिया जाए। तो मंत्री जी की सुविधा के नाते आज प्राइस राइज तय हुआ। लेकिन कल जो सवाल उठा था वह यह था कि इस सप्ताह मुम्बई बम विस्फोट और प्राइस राइज, इन दोनों पर चर्चा होगी और नम्बर एक पर हमने मुम्बई बम विस्फोट ही रखा था, लेकिन मंत्री जी की सुविधा के कारण संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि प्राइस राइज पहले लिया जाए। इसलिए यह कहना कि बी॰ए॰सी॰ में यह मसला उठा नहीं या बी॰ए॰सी॰ में इस बारे में जिक्र नहीं हुआ, ऐसा नहीं है। बी॰ए॰सी॰ में हमने अपनी ओर से मुम्बई बम विस्फोट नम्बर एक पर, प्राइस राइज नम्बर दो पर रखा था। तय भी यह हुआ था कि इसी सप्ताह दोनों चर्चाएं होंगी।

श्री सभापति: ठीक है।

श्री सुषमा स्वराज: लेकिन संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि मंत्री जी की सुविधा देखकर मैं बतलाऊंगा और मंत्री जी की सुविधा चूंकि प्राइस राइज पर थी, इसलिए यह बात हुई। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक मिनट इनको भी सुन लिया जाए। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, जोशी जी और सुषमा जी ने बिजनेस एडवाइजरी कमेटी का जिक्र किया। एक तरफ तो ये कह रही हैं कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की चर्चा का जिक्र नहीं करना चाहिए और दूसरी तरफ वे अपनी बात का उल्लेख करते हुए स्वयं उसकी चर्चा कर रही हैं। ...(व्यवधान)... उससे खुद ही प्रतिवाद कर रही हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार, चाहे प्राइस राइस हो, चाहे मुम्बई बम ब्लास्ट हो और चाहे ...(व्यवधान)... बिजनेस एडवाइजरी कमेटी के सामने चर्चा के लिए जो मुद्दे आए, उन पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। रही बात यह कि प्रायोरिटी क्या तय होगी, मैं उस विषय में नहीं जाना चाहता हूं। जरा देख लिया जाए कि प्रायोरिटी ...(व्यवधान)...

क्या बताई? हमने यह कहा था कि जब आपने यह प्रायोरिटी बताई है तो हम फाइनेंस मिनिस्टर से बात करके बताएंगे और इनकी प्रायोरिटी जो दी गयी, उस आधार पर ही हमने प्राइस राइस आज के लिए लिया। रही बात मुम्बई बम ब्लास्ट की, तो आज शाम को गृह मंत्री जी का वक्तव्य आज की रिवाइज्ड लिस्ट ऑफ बिजनेस में इसी विषय पर है, उस पर चर्चा यदि आप अभी करना चाहते हैं तो हम अभी भी चर्चा करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसका राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... एक गृह मंत्री दो जगह नहीं हो सकता है। उस हाउस में इसी मुम्बई बम ब्लास्ट पर चर्चा खुद आपोजिशन पार्टी ने लगायी है। गृह मंत्री क्या दोनों सदनों में उपस्थित हो सकते हैं? यह एक ...(**व्यवधान**)... का विषय है। रहा इस चर्चा का प्रश्न, चर्चा जब आप तय करेंगे, उस पर हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

श्री सभापति: क्वेश्चन ऑवर के बाद इस मामले पर निर्णय कर लेंगे।

श्री मनोहर जोशी: निर्णय नहीं सर, हमें चर्चा चाहिए। ...(**व्यवधान**)... क्वेश्चन ऑवर के बाद ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: इतना विश्वास तो रखिए।...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: उस हाउस से प्रार्थना कीजिए ...(**व्यवधान**)... या सबको तैयार करिए।

श्री सभापति: हाउस को तैयार करना पड़ेगा ना। ...(**व्यवधान**)...

श्री मनोहर जोशी: आप यदि कहेंगे तो ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मेरा नहीं है। ...(**व्यवधान**)... कि मैं अमेंडमेंट करूंगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: प्राइस राइस पर चर्चा हटा दीजिए, इस पर करिए। उसमें रखा क्या है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी के निर्णय में मुझे अमेंडमेंट करना है। ...(**व्यवधान**)...

श्री एस० एस० अहलुवालिया (झारखंड)**:** आपका ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: नहीं। गलत बात है। बिल्कुल गलत बात है यह। ...(**व्यवधान**)...

श्री सुरेश पचौरी: एक घटक कुछ और कहता है और दूसरा घटक बदल जाता है। एक विश्वसनीयता की बात होती है। ...(**व्यवधान**)... आप वहां पर मौजूद थे। ...(**व्यवधान**)... मुझे यह कहा गया था कि आप मंत्रियों से बात करके बता दीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्री मनोहर जोशी: सर, आपने जो कहा कि आप अभी चर्चा करने के लिए तैयार है ...(व्यवधान)... आप बहुत अच्छे मंत्री हैं, बहुत जिम्मेदारी से बात करते हैं ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: ऐसा नहीं होता है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: हाउस तैयार होकर ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: एक व्यक्ति दो जगह मौजूद नहीं हो सकता है। ...(व्यवधान)... आप अपनी पार्टी से कहिए कि मुम्बई बम ब्लास्ट पर वहां चर्चा न करें। ...(व्यवधान)... हम गृह मंत्री को अभी यहां लाने के लिए तैयार हैं। ...(व्यवधान)... हम इस पर चर्चा करने के लिए तैयार है। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: प्राथमिकता कुछ भी बनती है ...(व्यवधान)... मंत्री जी कहते हैं कि मंत्री उपलब्ध होंगे तो करेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नहीं। यह आज का सवाल नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: आप क्या करते थे जब सरकार में थे? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: देखिए, यह गलत बात है। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: यह कोई तरीका होता है। ...(व्यवधान)... हमेशा मंत्री की उपलब्धता के आधार पर होता है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मेरी सुनिए। एक मिनट बैठिए। ...(व्यवधान)... यह प्रश्न यहां इस तरह नहीं उठाना चाहिए। मंत्री होगा या नहीं होगा, यह प्रश्न नहीं है। क्वेश्चन यह था कि इन दोनों में से प्राथमिकता किसको ही जाए। प्राथमिकता दी, प्राइस राइस को ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: नहीं सर।

श्री सभापति: बिल्कुल दी है। वह दी है, बिजिनेस में आया है। ...(व्यवधान)... अगर आप यह चाहते हैं ...(व्यवधान)... मेरी सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री एकनाथ के॰ ठाकुर (महाराष्ट्र): मुम्बई में नए डेवलपमेंट्स हुए है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मेरी सुन लीजिए, आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... माननीय सदस्य, आप वहां उपस्थित थे। ...(व्यवधान)... आप बिजिनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में उपस्थित थे। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया: सरकारी पक्ष है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: सरकारी पक्ष नहीं है। मैं इतना निवेदन करना चाहता हूं, आपने मामला रेज कर दिया, इस मामले को कल डिबेट में ले लेंगे। ...(व्यवधान)... कल ले लेंगे।

श्री मनोहर जोशी: सर, यह बात बहुत कठिन है। यह पूरे देश का विषय है। आतंकवाद से पूरा देश आहत है और जब पूरा देश हैरान है तो क्या इस विषय पर चर्चा नहीं हो सकती है? ...(व्यवधान)... क्यों चर्चा नहीं हो सकती है?

श्री सभापति: आपने अपनी बात उठा दी। ...(व्यवधान)... कल इसके ऊपर चर्चा हो जाएगी। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: पचौरी जी ने कहा कि उनकी तरफ से चर्चा अभी करने में भी कोई हर्ज नहीं है। ...(व्यवधान)... आप अभी चर्चा करवा दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री संतोष बागड़ोदिया: क्वेश्चन ऑवर के ससपेंशन की कोई बात नहीं ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: आप क्यों बोल रहे हैं? ...(व्यवधान)... जब आपके नेता बोल रहे हैं, उनको तो सुनने दें। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नेता ने कह दिया। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, इस विषय पर चर्चा तुरन्त होनी चाहिए क्योंकि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप शांतिपूर्वक इस पर कल चर्चा कर दीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: पूरे मुम्बई शहर का गुस्सा कांग्रेस की सरकार ...(व्यवधान)... हमें बोलने का भी मौका नहीं मिलेगा? ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: बोलने को कौन रोक रहा है आपको? ...(व्यवधान)... कल इस मामले को ले लीजिए। ...(व्यवधान)... कल चर्चा कर लीजिए। ...(व्यवधान)... आज आप बोल लिए हैं ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, एक बात है ...(व्यवधान)...

SHRI JANARDHANA POOJARY: (Karnataka): Sir, ...

श्री सभापति: एक मिनट प्लीज़। ...(*Interruption*)... Please take your seat.

Please take your seat. ...(*Interruption*)... Please take your seat. (*Interruption*)Please take your seat.

श्री मनोहर जोशी: लोक सभा में चर्चा होती है तो राज्य सभा में भी चर्चा होनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैंने कब कहा कि चर्चा नहीं होनी चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: दूसरी बात, अगर आज वहां चर्चा हो रही है तो आज यहां पर चर्चा क्यों न हो? ...(व्यवधान)... क्या ऐसा कोई नियम है? ...(व्यवधान)... ऐसा कोई नियम नहीं है।

श्री सभापति: ऐसा नियम तो नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: पचौरी जी ने कहा कि हम चर्चा के लिए तैयार है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपने मामला उठाना था, मामला उठा दिया। मैंने कह दिया कि इस मामले पर कल चर्चा होगी। आज जितना आवश्यक था, उतना मामला आपने उठा दिया। किस्सा खत्म हुआ। कल चर्चा कर लीजिएगा आराम से। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, विषय उठाना ही मेरा उद्देश्य नहीं है। आज पूरा देश इस विषय पर ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: वह सब सही है। जितना मुम्बई दुखी है, उतना ही हाऊस भी दुखी है। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, इस विषय पर चर्चा यहां हो जाए। मंत्री जी अपनी भूमिका यहां स्पष्ट करें। चर्चा सुनने के बाद...

श्री सभापति: आज के एजेंडा में है। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, चर्चा सुनने के बाद ...(व्यवधान)... सुओ मोटो स्टेटमेंट करने का कोई अर्थ नहीं है।

श्री सभापति: हां, तो कल चर्चा हो जाएगी। आज वे स्टेटमेंट दे देंगे और कल चर्चा कर लेंगे। ...(व्यवधान)... स्टेटमेंट पर कल चर्चा कर लीजिएगा, आपको अच्छा मौका मिलेगा। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: महोदय, मैं जानता हूं कि सब विषयों में यह विषय सबसे महत्वपूर्ण है। कांग्रेस की गवर्नमेंट, न सेंटर की, न स्टेट की, न इस आतंकवाद को रोक सकती है और इसके कारण आतंकवाद करने वाले जो लोग हैं, उनके मतों की इन्हें चिंता है और ये कुछ भी नहीं करते हैं। लोग मरें, तो चल सकता है, लोगों का कुछ भी होने दो। ...(व्यवधान)... खुद प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ...(व्यवधान)...

SHRI A. VIJAYARAGHAVAN (Kerala): Sir, this should not go on record. (*Interruptions*)... How long will he continue like this? (*Interruptions*)...

श्री सभापति: रिकॉर्ड पर कुछ नहीं जा रहा है। ...(व्यवधान)... अब आप मुझे बता दीजिए ...एक मिनट...बिजनेस एडवाइज़री कमेटी का फैसला कैसे बदला जाएगा?

श्री मनोहर जोशी: सर, बिजनेस एडवाइज़री कमेटी से भी यह बॉडी सुप्रीम है।

श्री सभापति: नहीं, यह मेरी बॉडी नहीं है। ...(व्यवधान)... एकनाथ जी, एक मिनट...आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, मैं बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में था। उसके बाद ये डेवलपमेंट्स हुए हैं। जो 25 लोग मिसिंग हैं, उनके नाम हमें मालूम होने चाहिए। अगर 200 लोगों को ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आज किस विषय पर चर्चा करने के लिए आप बिजनेस एडवाइज़री में बोले थे? ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: अभी मालूम हुआ है कि 25 मिसिंग हैं।

श्री सभापति: बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में आप क्या बोले थे? यह जो विषय है, इसी को मंजूर किया था। आप लेख लीजिए, ज्यादा अच्छा रहेगा। इस मामले के साथ न्याय होगा। आज महंगाई पर चर्चा कर लें, कल इसके ऊपर चर्चा कर लेंगे। ...(व्यवधान)...

श्री एकनाथ के. ठाकुर: यह नया डेवलपमेंट है। यह बिजनेस एडवाइज़री कमेटी के बाद का है। ...(व्यवधान)...

डा० प्रभा ठाकुर (राजस्थान): सर, ये चर्चा नहीं कराना चाहते हैं, ये राजनीति करना चाहते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, क्वेश्चन ऑवर के बाद चर्चा होगी, तो हम समझ सकते हैं, नहीं तो क्वेश्चन ऑवर में हमें कोई इंटरेस्ट नहीं है।

श्री सभापति: आपका इंटरेस्ट नहीं है, लेकिन हाऊस का इंटरेस्ट है क्वेश्चन ऑवर में। ...(व्यवधान)... मैं कह रहा हूं कि कल चर्चा हो जाएगी। ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: सर, स्टेट मिनिस्टर यहां आ सकते हैं। ...(व्यवधान)... यदि मंत्री जी यहां नहीं हैं, तो स्टेट मिनिस्टर आ सकते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आज होम मिनिस्टर का स्टेटमेंट है 6 बजे। रात को अगर बैठना है, तो मैं तैयार हूं। 6 बजे के बाद आप इस पर चर्चा कर लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्री एकनाथ के० ठाकुर: स्टेटमेंट चर्चा के बाद आना चाहिए। सुओ मोटो नहीं चाहिए।

श्री सभापति: स्टेटमेंट के बिना चर्चा करने का मतलब क्या है फिर? ...(**व्यवधान**)... देखिए, यह मत कीजिए...यह मत कीजिए, यह आपके लिए अच्छा नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री मनोहर जोशी: सर, दोनों सदनों में अनेक बार उसी विषय पर चर्चा हुई है।

श्री सभापति: मुझे उस पर आपत्ति नहीं है। दोनों सदनों में चर्चा, उस हाऊस में हो और यहां भी हो, इस पर मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ...(**व्यवधान**)... नहीं, लेकिन कैसे करना है? ...(**व्यवधान**)...

श्री मनोहर जोशी: सर, पूरे देश का ध्यान जिस विषय पर है, उसी विषय पर चर्चा क्यों नहीं हो रही है?

श्री सभापति: माननीय जोशी जी ...एक मिनट... आप तो मुझसे ज़्यादा समझते हैं। आज तक यह कोई पाबंदी नहीं है कि जिस विषय पर उस हाऊस में चर्चा हो रही हो, उसी विषय पर इस हाऊस में चर्चा नहीं हो। इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन सदन का बिजनेस किस प्रकार से चले, इसके लिए बिजनेस एडवाइज़री कमेटी एपॉइंट की गई है। बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में दोनों चर्चाएं हुईं कि इसमें महंगाई का प्रश्न लिया जाए या इसे लिया जाए। यह सही है कि उस समय उत्तर देने के लिए सरकार तैयार होगी या नहीं होगी, पचौरी जी पर यह छोड़ा गया था कि शाम तक यह इत्तिला कर दें कि किस विषय पर चर्चा की जाए। शाम को इन्होंने इत्तिला की कि महंगाई के ऊपर चर्चा की जाए। मुझे आपत्ति नहीं है। सुषमा जी जो कह रही हैं, वह बिलकुल सही है। अब आप मुझे बता दीजिए कि बिजनेस एडवाइज़री कमेटी में तय करने के बाद बिजनेस एडवाइज़री कमेटी के मैम्बर्स आकर उस फैसले ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए एकनाथ जी। ...(**व्यवधान**)...

श्री एकनाथ के॰ ठाकुर: सर, डेवलपमेंट्स हुई हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप चुप रहिए, आप प्लीज़ बैठिए। यह ठीक नहीं है, इसलिए मैं कहता हूं कि आज स्टेटमेंट हो रहा है मिनिस्टर का। अगर आज ही आप लेना चाहते हो, तो 6 बजे के बाद इस पर चर्चा हो जाएगी, मुझे आपत्ति नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री मनोहर जोशी: सर, अगर सदन में इस विषय पर चर्चा नहीं होगी तो ...(**व्यवधान**)... दूसरे विषय को महत्व दिया गया है। ...(**व्यवधान**)... राज्य सभा चर्चा के समय दूसरे विषय को महत्व देती है। ...(**व्यवधान**)... जिनकी जानें गई हैं, जिनकी मृत्यु हुई हैं, उनके बारे में राज्य सभा में चर्चा होनी चाहिए। ...(**व्यवधान**)... This is an important issue. (*Interruptions*). Sir, the decision can be changed by you and also by the House. मंत्री जी ने कहा है कि यह विषय उस सदन में लिया जा रहा है ...(**व्यवधान**)... ऐसा समय नहीं आना चाहिए।

...(व्यवधान)... कैबिनेट मिनिस्टर नहीं हैं तो स्टेट मिनिस्टर आ सकते हैं। ...(व्यवधान)...

श्री सीताराम येचुरी (पश्चिमी बंगाल): सर, ...(व्यवधान)... कल जो आपने कहा था, वह बिल्कुल सही था। ...(व्यवधान)... प्लीज़, थोड़ी विनम्रता से एक मिनट के लिए सुनिए, ...(व्यवधान)... हम आपसे यही कह रहे हैं कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में, जोशी जी इसके बारे में कोई दो राय नहीं है कि यह बहुत अहम सवाल है और इसके ऊपर चर्चा होनी चाहिए। ...(व्यवधान)... सुनिए, कल जब ये दोनों बातें उठाई गई थीं, तब यह तय किया गया था कि इस हफ्ते ये दोनों विषय महंगाई और मुम्बई ब्लॉस्ट लेंगे। उसके बाद बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में तय हुआ था कि इन दोनों में से कौन से विषय पर चर्चा होगी, वह निर्णय होगा और सरकार की तरफ से कौन मंत्री उपलब्ध होंगे। आज सरकार के लिए ...(व्यवधान)... आप सुनिए, ...(व्यवधान)...

श्री मनोहर जोशी: वे उपस्थित होंगे, ...(व्यवधान)...

श्री सीताराम येचुरी: सुनिए, मेरी बात सुनिए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: जरा सुनिए, आप इनकी बात सुनिए। ....(व्यवधान)...

श्री सीताराम येचुरी: इसके बारे में हम सब लोगों ने इस बात को मान लिया था। ...(व्यवधान)... जरा सुनिए। ...(व्यवधान)... आप जाइए मत, एक मिनट ...(व्यवधान)... हमारी आपसे विनम्रता से एक अपील है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बैठिए। ...(व्यवधान)...

श्री सीताराम येचुरी: अब आप टाइम बर्बाद मत कीजिए क्योंकि यह भी अहम बात है कि इस पर सदन में कुछ चर्चा हो। आप सदन का टाइम बर्बाद करें और सदन डिस्टर्ब हो, यह भी गलत होगा। ...(व्यवधान)... तो हम आपसे एक ही बात कह रहे हैं कि ...(व्यवधान)... सर, आपके माध्यम से एक ही अपील कर रहे हैं कि कल बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में जो निर्णय लिया गया था, आप उसके आधार पर रूलिंग दीजिए और पूरा सदन उसको मानकर चलेगा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: मैंने रूलिंग दे दी है।

श्री सीताराम येचुरी: आपने रूलिंग दे दी है तो ठीक है, सब रूलिंग मानकर चलें। ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव (बिहार): महोदय, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप बोलिए, आप क्या कहना चाहते हैं?

श्री सीताराम येचुरी: सदन में चर्चा तो होने दीजिए। ...(व्यवधान)... हम सब चाहते हैं कि सदन में इस पर चर्चा हो। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आप उनको बोलने दीजिए।

श्री शरद यादव: सभापति महोदय, यह कोई बड़ा विवाद नहीं है। ...(व्यवधान)... आप जरा मेरी बात सुनिए। खासकर मुम्बई ब्लॉस्ट के बारे में जो भावनाएं हैं, वे बहुत उबाल पर हैं। जो महंगाई का सवाल है, इसका कोई दो दिन या आठ दिन में समाधान होने वाला नहीं है। मेरी आपसे विनती है और पचौरी जी से भी विनती है कि जो आपने चर्चा के लिए महंगाई का विषय रखा है, इससे पहले मुम्बई ब्लॉस्ट को रख लिया जाए या आज भी रखना चाहें तो हमें कोई ऐतराज नहीं है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: कल ही रखा है, मैंने आपसे कह दिया है। ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव: सभापति जी, इसमें कोई बड़ा भारी विवाद नहीं है। मैं पचौरी जी से, सरकार से कहूंगा कि यह एक ऐसा सवाल है जिस पर सारा सदन एक है। इस पर चर्चा कल हो जाए या आज हो जाए। जो पूरे देश के सेंटीमेंट्स हैं, जो मुम्बई में हुआ है, कश्मीर में हुआ है, लोग बहुत व्यथित हैं। यदि आज इस पर चर्चा हो जाए तो मैं सरकार से कहूंगा कि कोई ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरीय: आप उनसे मेहरबानी करके कहलवाइए। ...(व्यवधान)...

श्री शरद यादव: क्या इसके लिए बीजेपी तैयार है? ...(व्यवधान)...

विपक्ष के नेता (श्री जसवन्त सिंह): सदन के सभी ओर से एक विचार व्यक्त हुआ है, निश्चित तौर से जो बात बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में तय होती है, यह किसी की मंशा नहीं होती है कि उसकी अवहेलना हो, परन्तु आज यहां ऐसा लग रहा है कि सभी के सभी पक्ष, इस विषय को लेकर, इस बात से सहमत हैं कि जो आतंकवाद का विषय है, मुम्बई में मौतों का विषय है, इसको आज 12 बजे शुरू कर लें, यह आपसे मेरा निवेदन है।

प्रो० राम देव भंडारी (बिहार): सभापति जी, मैं कुछ कहना चाहता हूं। कल बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में मैं भी था और सभी दलों के सदस्य उसमें उपस्थित थे। उसमें सर्वसम्मति से यह तय हुआ था कि दोनों में से एक इश्यू आज लिया जाएगा और दूसरा इश्यू, दूसरे दिन लिया जाएगा ...(व्यवधान) यह संबंधित मंत्री की उपलब्धता पर निर्भर था। आज फाइनेंस मिनिस्टर साहब यहां आए हुए हैं और यह इश्यू लिस्टेड भी है। एक दिन के लिए कोई बात नहीं, आपने कहा भी है कि कल इस पर बहस कर ली जाए, इसलिए आज प्राइस-राइज के विषय पर बहस कर लेते हैं, जो आज के लिए निश्चित है, कल दूसरे विषय पर बहस कर लेंगे।

श्री एकनाथ के० ठाकुर: आप ऐसे कैसे ...(व्यवधान)

श्री सभापति: सदन की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at twenty-six minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at twelve of the clock, Mr. Chairman, in the Chair.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Training of probationers in National Academy of Customs and Central Excise

*21. MISS MABEL REBELLO: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what efforts are being made to give training to the probationers in the National Academy of Customs and Central Excise, Narcotics, Faridabad in the taxation law, which are progressive and not regressive in nature; and

(b) whether there is any proposal to send the officers to the Indian Institutes of Management (IIMs) compulsorily for a management course to improve the system/bureaucracy from within?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) and (b) Central Board of Excise and Customs (CBEC) recognizes that human resource development is an integral part of administration and attaches utmost importance to training of the Probationers of the Indian Revenue Service Customs & Narcotics (NACEN) at Faridabad organizes indepth theoretical and practical training to the Probationers on existing law and procedures relating to Customs, Central Excise, Service Tax and other related areas. Extensive training is also imparted in areas relating to use of information technology, accountancy, management, parliamentary procedures, enforcement of narcotics related laws etc. To equip the Probationers to function effectively in a rapidly changing environment of economic policies and tax-payers' expectations, the training curriculum is constantly updated in consultation with institutes such as Lal Bahadur Sastri National Academy of Administration, Mussorie, National Institute of Public Finance and Policy, New Delhi, Indian Institutes of Management etc.

2. NACEN, in collaboration with the Indian Institutes of Management, proposes to organize training programmes to hone the managerial skills of Probationers, to inculcate in them attitudes in tune with the liberalized economic policy and administration. The proposed programmes will focus on management in Government, leadership and management of change, economic environment and public finance, and attitudinal changes required in tax administrators.